प्रश्नपत्र

मॉडल सेट-07

खण्ड 'क' अपठित अवबोधनम् (13 अंकाः)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों का उत्तर निर्देशानुसार लिखें:-

कस्मिंश्चित् सरोवरे भारूण्ड नामा पक्षी एकोदरः पृथक् ग्रीवः प्रतिवसति स्म। तेन च समुद्रतीरे परिभ्रमता किञ्चित् फलममृतकल्पं तरंगक्षिप्तं सम्प्राप्तम्। सोऽपि भक्षयन्निदमाह- ''अहो बहूनि मयाऽमृत प्रायाणि समुद्र कल्लोलाहृतानि फलानि भक्षितानि। परमऽपूर्वोऽस्यास्वादः।''

(क) एक पद में उत्तर दें: 4 x1= 4

(i) भारूण्ड पक्षी कुत्र प्रतिवसति स्म?

(ii) समुद्रतीरे परिभ्रमता तेन कीदृशं फल प्राप्तम्?

(iii) एकोदरः पृथग्ग्रीवः कः आसीत्?

(iv) फलस्य स्वादः कीदृशः आसीत्?

(ख) पूर्ण वाक्य में उत्तर दें:- 2 x2= 4

(i) भारूण्ड पक्षी कीदृशः आसीत्?

(ii) तरंगक्षिप्तं किं सम्प्राप्तम्?

(ग) निर्देशानुसार उत्तर दें:- 4 x1= 4

(i) ''एकोदरः' पदस्य संधि-विच्छेद कुरूत।

(ii) 'भक्षयन्' पदे कः प्रत्ययः?

(iii) 'फलानि' इति पदे का विभक्ति?

(iv) 'अपूर्वोऽस्यास्वादः' इति पदे विशेषणं किम्?

(घ) अस्मिन् अनुच्छेदे कस्य वर्णनम् अस्ति? 1 x1= 1

https://www.evidyarthi.in/

खण्ड 'ख' (रचनात्मक कार्यम्- पत्रलेखनम्) 15 अंकाः

2. मञ्जूषा में दिए गए शब्दों की सहायता से पत्र को पूरा करें: 8

मञ्जूषाः पाटलिपुत्र, सह, उच्चैः, पशूम्, सन्ति, नृत्ये, पुनः जैविक

मञ्जूषाः पाटलिपुत्र, सह, उच्चैः, पशूम्, सन्ति,

प्रियमिन राकेश, परीक्षाभवनात्

नमस्कारः।

ह्यः अहं मित्रैः (i) जन्तुशालांद्रष्टुं (ii) स्थिते संजय गाँधी (iii) उद्यानम् अगच्छम्। तत्र वयम् अनेकान् (iv) अपश्याम्। पशवः इतस्ततः भ्रमन्ति स्म। सिंहाः व्याघ्राःच (v) अगर्जन। मथूराः (vi) मग्नाः आसन्। यत्र आम्रवृक्षाः (vii) कोकिलाः तु भविष्यति एव। अग्रे (viii) लेखिष्यामि।

भवतः मित्रम्

सुरेशः

3. निम्नलिखित में से किसी एक पर सात वाक्यों में अनुच्छेद लिखें:-1 x7= 7

(i) दुर्गापूजा (ii) आदर्श छात्रः

(iii) देशभक्तिः (iv) परोपकारः

खण्ड 'ग' (अनुप्रयुक्त व्याकरणम् एवम् अनुवादम्) 32 अंकाः)

4. निर्देशानुसार उत्तर दें:- 4 x1= 4

(क) 'उत्+लासः' (संधि करें।)

(ख) 'निर्बलः' (संधि विच्छेद करें)

(ग) जशत्व संधि का एक उदाहरण दें

https://www.evidyarthi.in/

(घ) 'अ+ऋ' के मिलने से कौन सा वर्ण बनेगा?

5. (क) 'फलैः' किस विभक्ति का रूप है? 1

(ख) 'मातरि' का मूल शब्द क्या है? 1

(ग) 'पतीनाम्' में कौन सी विभक्ति है? 1

(i) प्रथमा (ii) षष्ठी (iii) तृतीया (iv) पंचमी

6. (क) 'नमामि किस धातु का रूप है? 1

(i) नम् (ii) नाम् (iii) निम् (iv) नामन्

(ख) 'कुरू' किस लकार का रूप है? 1

(i) लोट् (ii) लिट् (iii) लृट् (iv) विधिलिंग

7. (क) 'दुराचारी' पद में कौन सा उपसर्ग है? 1

(ख) किस शब्द में 'अभि' उपसर्ग लगा हुआ है?

(i) अभिमानः (ii) अभिकाणः (iii) अभिचरः (iv) अभिकृत

8. (क) 'गम्+क्त्वा' के योग से कौन सा शब्द बनेगा? 1

(i) गमित्वा (ii) गमत्वा (iii) गत्वा (iv) गकत्वा

(ख) 'विवेकी' में कौन सा तद्धित प्रत्यय लगा हुआ है? 1

(i) तमप् (ii) घञ् (iii) इनि (iv) तस्

9. (क) 'विद्वस्' का स्त्री॰ रूप क्या होगा? 1

(ख) 'बालक+टाप्' से क्या शब्द बनेगा? 1

10. (क) 'दशरथ+इञ्' से कौन सा शब्द बनेगा?

(i) दाशारय (ii) दाशरथ (iii) दाशरथिः (iv) दशरथः

(ख) 'पाण्डु+अण्' से कौन शब्द बनेगा?

(i) पाण्डु (ii) पाण्डवः(iii) पांडु (iv) पाञ्डः

https://www.evidyarthi.in/

11. निर्देशानुसार उत्तर लिखें:

(क) 'राजपुत्रः' का विग्रह करें। 1

(ख) दाने वीरः का समस्त पद लिखें। 1

(ग) द्वन्द्व समास का एक उदाहरण दें। 1

(घ) 'पीताम्बरम्' में कौन सा समास हे।

12. (क) 'भीत्रार्थानां भयहेतुः'' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या करें। 2

(ख) 'छात्रः मासेन व्याकरणम् अपठत्' यहाँ किस सूत्र से तृतीया विभक्ति का निर्देश हुआ है। 2

13. निम्नांकित में से किन्हीं सात का अनुवाद संस्कृत में करें:- 7 x1= 7

(क) पटना गंगा के किनारे है।

(ख) वह मेरे साथ पढ़ता है।

(ग) गाँव के समीप बाजार है।

(घ) सड़क के दोनों ओर वृक्ष हैं।

(ङ) गरीबों पर दया करो।

(च) सुबह में टहलना चाहिए।

(छ) मनुष्यों में परिश्रमी श्रेष्ठ होता है।

(ज) तुम्हारे साथ मैं भी जाऊँगा।

(झ) कालिदास संस्कृत के महान् कवि थे।

(ञ) इस समय हमलोगों को संस्कृत पढ़नी चाहिए।

खण्ड 'घ' (पठित अवबोधनम्) 40 अंकाः

14. निम्नांकित गद्यांशों का हिन्दी में अनुवाद करें:- 3 x2= 6

(क) कतिपयेषु प्राचीन संस्कृतग्रन्थेषु पुराणादिषु पाटलिपुत्रस्य नामान्तरं पुष्पपुरं कुसुमपुरं वा प्राप्यते।

(ख) तत्रैको नवीन दृष्टिसंपन्नः सामाजिक सामरस्यरसिकः शिक्षकः समागतः।

https://www.evidyarthi.in/

(ग) शुष्कः उपदेशश्च न पर्याप्तः प्रत्युत् तस्य कार्यान्वयनञ्च जीवनेऽनिवार्यम्।

15. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दें: 4 x1= 4

(क) 'काव्यमीमांसा' नामकं ग्रन्थं कः रचितवान्?

(ख) आधुनिक लेखिकासु का प्रसिद्धा?

(ग) स्वामी दयानंदः कः आसीत्?

(घ) कः महापङ्के निमग्नः अभवत्?

16. 'कर्मवीर कथा' से प्राप्त उद्देश्यों पर प्रकाश डालें। 3

17. 'भारतीय संस्काराः' पाठ के आधार पर संस्कारों की समीचीन उपादेयता पर प्रकाश डालें 3

18. निम्नांकित श्लोकों का हिंदी अनुवाद करें:- 2 x2= 4

(क) अस्ति महीतल तिलकं सरस्वती कुलगृहं महानगरम्।
नाम्ना पाटलिपुत्रं परिभूतपुरन्द स्थानम्।।

(ख) दरिद्रान्भर कौन्तेया! मा प्रयच्छेश्वरे धनम्।
व्याधितस्यौषधं पथ्यं, नीरूजस्य किमौषधेः।।

19. निम्नांकित प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दें:- 4 x1= 4

(क) शुभां गिरः के निष्कूजन्ति?

(ख) पण्डितः कः उच्यते?

(ग) अस्माकं भारतीया धरा कीदृशी अस्ति?

(घ) अलसानां कः शरणदः?

20. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या करें।

मारूतोद्धूतशिखरैः प्रनृत इव पर्वतः।

पादपैः पुष्प पत्राणि सृजद्भिरभितो नदीम्।।

https://www.evidyarthi.in/

21. 'विश्वशांतिः' पाठ के आधार पर इसके कारण और प्रदत्त समाधानों पर प्रकाश डालें।

3

22. (क) आधुनिक संस्कृत लेखिकाओं का सामान्य परिचय दें।

(ख) आधुनिककाले संस्कृत लेखिकासु पण्डिता 1 x3= 3

क्षमाराव (1890-1953ई॰) नामधेया विदुषी अतीव प्रसिद्धा। तया स्वपितुः शंकरपाण्डुरंगपण्डितस्य महतो विदुषो जीवनचरितं 'शंकरचरितम्' इति रचितम्।

(i) यह कथन किस पाठ से लिया गया है?

(ii) पण्डिता क्षमाराव कौन थी?

(iii) 'शंकरचरितम्' क्या है? 3

23. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर एक पद में दें:- 4 x1= 4

(क) देवाः कानि गायन्ति?

(ख) किं जयते?

(ग) वीरेश्वरो नाम मन्त्री कुत्र आसीत्?

(घ) अन्त्येष्टिसंस्काराः कदा सम्पाद्यते?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तराणि मॉडल सेट-07

खण्ड 'क' (अपठित अवबोधनम्)

1. क. (i) सरोवरे (ii) फलममृतकल्पं (iii) भारूण्ड (iv) अपूर्वः

ख. (i) भारूण्डपक्षी एकोदरः पृथग्ग्रीवः आसीत्।

(ii) तरंगक्षिप्तं किञ्चित् फलममृतकल्पं प्राप्तम्

ग. (i) एक+उदरः (ii) शतृ (iii) तृतीया (iv) अपूर्वः

घ. भारूण्डपक्षिणः

खण्ड 'ख' (रचनात्मककार्यम्-पत्र लेखनम्)

2. (i) सह (ii) पाटलिपुत्र (iii) जैविक (iv) पशून् (v) उच्चैः

(vi) नृत्ये (vii) सन्ति (viii) पुनः

3. **(i) दुर्गापूजा**

दुर्गापूजा अस्माकं एकः राष्ट्रीयः महोत्सवः। इयम् आश्विनमासस्य शुक्ले पक्षे दशम्यां तिथौ संपद्यते। अस्यां तिथौ महाशक्त्याः दुर्गादेव्याः पूजनं भवति। अस्यामेव तिथौ रामः रावणं जेतुं विजययात्राम् अकरोत्। दुर्गा अस्माकं परमपूज्या माता चास्ति। पाटलिपुत्रे अस्यां विविधाः उत्सवाः भवन्ति। विजयस्य प्रतीकभूता इयं पूजा अस्माभिः अवश्यमेव कर्त्तव्या।

(ii) आदर्श छात्रः

यः छात्रः गुरूणाम् आज्ञापालकः, क्रीडाविषयेऽपि ध्यानं ददाति, सः एव आदर्श छात्रः भवितुं शक्नोति। सदाचारगुणस्य छात्रजीवने सम्यक् स्थानं भवेयुः। एकः आदर्श-छात्रः मनोयोगेन ज्ञानार्जनं करोति। कुसंगं त्यक्त्वा सः सहपाठिना सह मित्रवत् आचरति। आदर्श छात्रस्य उपरिदेशस्य महती आशा विद्यते सः संपूर्ण कार्य

https://www.evidyarthi.in/

समयानुसारेण एव करोति। विद्योपार्जनम् एव तस्य लक्ष्यमेकं भवेत्। सर्वे आदर्शछात्राः भवेयुः।

(iii) देशभक्तिः

देशं प्रति भक्तिः इति देशभक्तिः कथ्यते। संसारे सर्वे जनाः स्वदेशस्य रक्षणाय प्रयत्नं कुर्वन्ति। इत्थम् अपि कथ्यते यत् जननी इव जन्मभूमिः श्रेष्ठा पूजनीया च अतएव अनयोः सेवा अस्माकं परमोधर्मः। राष्ट्रंप्रति यस्य हृदये भक्तिभावना नास्ति सः पशुतुल्यः एवास्ति। सर्वे भारतीयानां कृते ''देशभक्ति'' इति भावनायाः प्रचारं प्रसारं च करणीयम्। वयमपि देशभक्तिभावना धेयम्।

(iv) परोपकारः

परेषां कृते उपकारः ''परोपकारः'' इति कथ्यते। परोपकारः पुण्याय भवति। अपरेषु देवः इव दृश्यन्ते। परेषां हितं सर्वदा करणीयम्। अन्येषु उन्नतिं दृष्ट्वा आत्मोन्नतिं यः चिन्तयति सः 'परोपकारी' इति मन्यते। पुराणेषु उक्तं यत्- परोपकाराय पुण्याय पापाय परपीडनम्। महात्मनः वृक्षाश्च सम्यक् रूपेण परोपकारं कुर्वन्ति।

खण्ड 'ग' (अनुप्रयुक्त व्याकरणम्)

4. (क) उल्लासः (ख) निः+बलः (ग) वाक+ईशः=वागीशः (घ) 'अर्'
5. (क) तृतीया, (ख) मातृ (ग) (ii) षष्ठी
6. क- (i) नम् (ख) (ii) लोट्
7. क. दुस् (ख) (i) अभियानः
8. क- (iii) गत्वा (ख) (iii) इनि
9. क- विदुषी (ख) (ii) बालिका
10. क- (iii) दाशरथिः (ख) (ii)- पाण्डवः
11. क- राज्ञः-पुत्रः (ख) दानवीरः (ग) पितरौ एवं अन्य (घ) बहुब्रीहिः

https://www.evidyarthi.in/

12. (क) भी (डरना) एवं त्रा (रक्षा करना) के अर्थ में जिससे डरा जाए एवं जिससे बचाया जाए उसमें पंचमी विभक्ति होती है। यथा–

सः व्याघ्रात् बिभेति। गुरुः शिष्यं पापात् त्रायते।

(ख) अपवर्गे तृतीया

13. (क) पाटलिपुत्रं गंगायाः तटे अस्ति।

(ख) सः मया सह पठति।

(ग) ग्रामं पार्श्वे आपणम् अस्ति।

(घ) मार्गम् अभितः वृक्षाः सन्ति।

(ङ) दरिद्रेभ्यः दयां कुरू।

(च) प्रातःकाले भ्रमेयुः।

(छ) मानवेषु परिश्रमिणः श्रेष्ठः भवति।

(ज) त्वया सह अहमपि गमिष्यामि।

(झ) कालिदासः संस्कृतस्य महाकविः आसीत्।

(ञ) संप्रति वयं संस्कृतं पठेम।

खण्ड 'घ' (पठित अवबोधनम्)

14. (क) कुछ प्राचीन संस्कृत ग्रंथों में, पुराण आदि में पाटलिपुत्र का दूसरा नाम पुष्पपुर अथवा कुसुमपुर मिलता है।

(ख) वहाँ एक नई सोचवाले, सामाजिक समरसता की दृष्टि रखनेवाले एक शिक्षक आए।

(ग) केवल उपदेश पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका कार्यान्वयन भी जीवन में अनिवार्य है।

https://www.evidyarthi.in/

15. (क) 'काव्यमीमांसा' नामकं ग्रन्थं राजशेखरः रचितवान्।

(ख) आधुनिक लेखिकासु पण्डिता क्षमाराव अतीव प्रसिद्धा अस्ति।

(ग) स्वामी दयानंदः ''आर्यसमाज'' इति संस्थायाः संस्थापकः आसीत्।

(घ) पथिकः महापंके निमग्नः अभवत्।

16. जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए धन की अपेक्षा उल्लास युक्त कठिन परिश्रम ही उपादेय होता है। कर्मवीर-कथा का नायक कर्मवीर आर्थिक एवं सामाजिक विपरीत परिस्थितियों को हँसते-हँसते पार कर जाता है और प्रत्येक परीक्षा में अपनी मेहनत और शिक्षकों के मार्ग दर्शन से सर्वदा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हो जाता है। केंद्रीय-प्रशासन की परीक्षा में भी वह अपने इन्हीं गुणों के कारण सफल होता है एवं अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करता है।

17. लेखक ''भारतीय संस्काराः'' पाठ से हमें यह बताना चाहता है कि संस्कारों के पालन से ही व्यक्तित्व का निर्माण होता है। इससे गुण बढ़ते हैं तथा दोषों का नाश होता है। भारतीय संस्कृति संस्कारों के कारण ही आज अपने अस्तित्व में है तथा संस्कारों को उचित समय पर पालन करने की शिक्षा देता है।

18. (क) पृथ्वी का मुकुटमणि, विद्वानों की वासस्थली, पाटलिपुत्र नाम का एक महानगर है जो इंद्र के निवास स्थान स्वर्ग से भी सुंदर है।

(ख) हे अर्जुन! गरीबों को धन दो, धनी को धन मत दो। रोगी को दवा ओर पथ्य की आवश्यकता है निरोगी को दवा से क्या लाभ?

19. (क) शुभागिरः चक्रवाकाः, द्विजाः च निष्कूजन्ति।

(ख) सर्वभूतानां तत्वज्ञः, सर्वकर्मणा योगज्ञः मनुष्याणां उपायज्ञः नरः पण्डितः उच्यते।

(ग) अस्माकं भारतीयधरा विशाला अस्ति।

https://www.evidyarthi.in/

(घ) अलसानां शरणदः कारूणिकः।

20. प्रस्तुत श्लोक हमारी पाठ्यपुस्तक 'पीयूषम्' भाग-2 के शीर्षक पाठ 'मन्दाकिनीवर्णनम्' से संकलित है। यह पाठ वाल्मीकि रामायण के अयोध्याकांड से प्रसंग प्राप्त है। वनवास प्रसंग में राम सीता और लक्ष्मण चित्रकूट पहुँचते हैं।

श्रीराम नदी की प्रकृति का यथार्थ चित्रण करते हुए सीता से कहते हैं कि हे बड़ी-बड़ी आँखों वाली सीते। नदी के दोनों ओर फूल और पत्तों से सजे हुए पौधे तथा हवा के झोंको से मानो चलायमान शिखर से पर्वत झुमते हुए प्रतीत हो रहे हैं।

21. आज विश्व का प्रत्येक देश अशांति एवं द्वेष का शिकार है। आपस में विश्वास का अभाव ही इसका मुख्य कारण है। शस्त्रों की होड़ में मानवता विनष्ट हो रही है। महापुरूषों, विद्वानों तथा चिंतकों द्वारा परमार्थ-वृति को जागृत करके तथा सहिष्णुता, परोपकार, दया, मित्रता आदि आदि के भावों से ही अशांति को दूर करके संसार में शांति लाई जा सकती है।

22. (क) संस्कृत साहित्य में आधुनिक समय की लेखिकाओं में पण्डिता क्षमाराव अति प्रसिद्ध है। उनकी 'शंकरचरितम्' अति प्रसिद्ध रचना है। वर्त्तमान समय में लेखनरत कवयित्रियों में पुष्पा दीक्षित, वनमाला भवालकर तथा मिथिलेश कुमारी मिश्र आदि निरंतर संस्कृत साहित्य को समृद्ध कर रही हैं।

(ख) (i) यह कथन संस्कृतसाहित्ये लेखिकाः पाठ से ली गई है।

(ii) पण्डिता क्षमाराव प्रसिद्ध लेखिका एवं विदुषी थी।

(iii) 'शंकरचरितम्' जीवनचरित है।

23. (क) गीतकानि (ख) सत्यम् (ग) मिथिलायाम् (घ) मरणोपरान्ते

https://www.evidyarthi.in/